This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2603**

Unique Paper Code : **12051101** **HC**

Name of the Paper : **हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi (CBCS)**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिंदी के आरंभिक रूप को स्पष्ट करते हुए आधुनिक काल में उसके विकास को रेखांकित कीजिए। 14

अथवा

मुख्य आर्य भाषाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2. हिंदी भाषा की प्रमुख बोलियों का परिचय दीजिए। 14

अथवा

हिंदी भाषा के विविध रूपों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. भाषा के विकास में लिपि के महत्व पर प्रकाश डालिए। 14

अथवा

ब्राह्मी से विकसित उत्तरी और दक्षिणी लिपियों का उल्लेख कीजिए।

P.T.O.

4. देवनागरी लिपि के नामकरण की ऐतिहासिकता को बताते हुए, उसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 14

अथवा

देवनागरी लिपि के मानकीकरण के विविध पक्षों पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए 6,6

(1) पूर्वी हिंदी की बोलियाँ

(2) सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी

(3) चित्र लिपि

(4) आधुनिक काल में हिंदी का विकास

(5) देवनागरी लिपि की सीमाएँ।

This question paper contains 4+1 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2604**

Unique Paper Code : **12051102** **HC**

Name of the Paper : **Hindi Kavita (Adikalin Evam Bhaktikalin Kavya)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi—CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

"अमीर खुसरो की कविता लोक संस्कृति का प्रतिबिम्ब है।" विचार कीजिए।

अथवा

विद्यापति की प्रेम-भावना पर प्रकाश डालिए। 12

कबीर की भाषा-शैली का विवेचन कीजिए।

अथवा

"'मधुमालती' का मुख्य विषय 'प्रेम की पीर' है।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए। 12

P.T.O.

3. सूरदास के काव्य-सौंदर्य का विवेचन कीजिए।

अथवा

मीराबाई की गीति-योजना पर प्रकाश डालिए। 12

4. तुलसी की भक्ति-भावना पर विचार कीजिए।

अथवा

तुलसी-काव्य के कला-सौंदर्य का परिचय दीजिए। 12

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) क़ाहे को ब्याही बिदेस रे, लखि बाबुल मोरे।
हम तो बाबुल तोरे बागों की कोयल
कुहकत घर-घर जाऊँ, लखि बाबुल मोरे।
हम तो बाबुल तोरे खेतों की चिड़िया,
चुग्गा चुगत उड़ि जाऊँ, लखि बाबुल मोरे।

अथवा

जहाँ-जहाँ पद जुग धरई। तहिं-तहिं सरोरुह झरई॥
जहाँ-जहाँ झलकत अंग। तहिं-तहिं बिजुरि-तरंग॥
कि हेरलि अपरुब गोरि। पइठलि हिअ मधि मोरि
जहँ-जहँ नयन बिकास। तहिं तहिं कमल-प्रकास॥
जहँ लहु हास संचार। तहिं-तहिं अमिअ-विधार॥
जहँ-जहँ कुटिल कटाख। ततहिं मदन-सर लाख॥
हेरइत से घनि घोर। अब तिन भुवन अगोर॥

(ख) अति मलीन वृषभानु-कुमारी।

हरि स्रम-जल भीज्यों उर अंचल, तिहिं लालच न धुवावति सारी।

अध मुख रहति अनत नहिं चितवति, ज्यौं गथ हारे थकित जुवारी।

छूटे चिकुर बदन कुम्हिलाने, ज्यौं नलिनी हिमकर की मारी।

हरि संदेस सुनि सहज मृतक भइ, इक विरहिनी, दूजे अलि जारी।

सूरदास कैसें करि जीवैं, ब्रज बनिता बिन स्याम दुखारी।

अथवा

आली री म्हारे णेणाँ बाण पड़ी।

चित चढ़ी म्हारे माधुरी मूरत, हिवड़ा अणी गड़ी।

कब री ठाड़ी पंथ निहारौं, अपने भवण खड़ी।

अटक्याँ प्राण साँवरों प्यारो, जीवण मूर जड़ी।

मीरा गिरधर हाथ बिकाणी, लोग कह्याँ बिगड़ी। 8

6. निम्नलिखित पद्यांशों का दिए गए निर्देशों के अनुसार विश्लेषण कीजिए :

(क) काहे री नलिनी तूं कुम्हलानी
तेरे ही नालि सरोवर पानी।
जल में उतपति जल में बास
जल में नलिनी तोर निवास
ना तलि तपन तपति न ऊपरि आगि
तोर हेतु कहु कासनि लागि।

(भक्त का स्वरूप)

अथवा

दसन जोति बरनी नहिं जाई। चौंधे दिस्टि देखि चमकाई।
नेक बिगसाइ नींद महँ हँसी। जानहुँ सरग सेऊँ दामिनी खसी।
बिहरत अधर दसन चमकाने। त्रिभुवन मुनि गण चौंधि भुलाने।
मंगर सूक गुरु संहि चारी। चौक दसन भय राजकुमारी।
नहिं जानौं दहुं कहँ दुरि जाई। रहे जाई ससि माहिं लुकाई।
जौ कोइ कहै कि बिध्धि पसारा, तेहि कर सुनहु सुभाउ।
विधि गुपुत जग माहीं, काहुं न देखा काउ॥

(वर्णन-कौशल) 6

(ख) पग बाँध घूँघरयाँ णाच्यां री।

लोग कह्याँ मीरा भइ बाबरी, सासु कह्याँ कुलनासाँ री।

विख रो प्यालो राणा भेज्याँ, पीवाँ मीराँ हाँसी री।

तण मण वारयाँ परि चरिणामाँ दरसण अमरित प्यासाँ री।

मीराँ रे प्रभु गिरधर नागर, थारो सरणाँ आस्याँ री।

(प्रेम-व्यंजना)

अथवा

अवधेस के द्वारे सकारें गई सुत गोद कै भूपति, लै निकसे॥

अवलोकि हौं सोच बिमोचन को ठगि-सी रही, जे न ठगे धिक-से॥

तुलसी मन-रंजन रंजित-अंजन नैन सुखंजन-जातक से॥

सजनी ससि में समसील उभै नवनील सरोरुह-से बिकसे॥

(भाषिक-सौंदर्य) 6

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : ....

Sl. No. of Q. Paper : **1068 H**

Unique Paper Code : 205302

Name of the Course : **B.A.(Honours) Hindi**

Name of the Paper : Sahity-Chintan-2

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

छात्रों के लिए निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(2) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके तत्त्वों का विवेचन कीजिये। 15

अथवा

आख्यानपरक कविता का अर्थ स्पष्ट करते हुए किन्हीं दो अख्यानपरक कविताओं का परिचय दीजिये।

P.T.O.

2. किसी **एक** पर टिप्पणी कीजिए : 7

(क) फैंटेसी ओर भावाभास

(ख) आत्मकथा

3. साहित्य के मूल्यांकन में 'लोकमंगल' आधुनिक काव्य मूल्य कैसे है ? स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

रूप और वस्तु की अवधारणा को स्पष्ट करें।

4. विसंगति और विडंबना से आप क्या समझते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिये। 10

अथवा

मिथक का अर्थ बताते हुए काव्य में उसके योगदान का उल्लेख कीजिये।

5. 'विरुद्धों का सामंजस्य' की अवधारणा को समझायें। 10

अथवा

मुक्तछंद और छंदमुक्त कविता के अंतर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

6. 'आधुनिकता का प्रश्न : साहित्य के संदर्भ में' शीर्षक निबंध में आधुनिकता की चेतना का विश्लेषण डॉ नगेन्द्र किस तरह करते हैं ? संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'काव्य में लोकमंगल' निबंध का सार प्रस्तुत कीजिए।

7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध 'आधुनिक साहित्य' नयी मान्यतायें' की स्थापनाओं को संक्षेप में लिखें। 8

अथवा

निम्नांकित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्न के उत्तर दीजिए :

साहित्य कलाकार के आध्यात्मिक सामंजस्य का व्यक्त रूप है और सामंजस्य सौन्दर्य की सृष्टि करता है, नाश नहीं। वह हममें वफादारी, सच्चाई, सहानुभूति, न्यायप्रियता और ममता के भावों की पुष्टि करता है। जहां ये भाव हैं, वहीं दृढ़ता और जीवन है, जहाँ इनका अभाव है, वहीं फूट, विरोध, स्वार्थ-परता है - द्वेश, शत्रुता और मृत्यु है। ... . साहित्य हमारे जीवन को स्वाभाविक और स्वाधीन

P.T.O.

बनाता है। दूसरे शब्दों में, उसी की बदौलत मन का संस्कार होता है। यही उसका मुख्य उद्देश्य है। (''साहित्य का उद्देश्य': प्रेमचन्द)

(क) साहित्य की सकारात्मक भूमिका को स्पष्ट कीजिये।

(ख) साहित्य का क्या उद्देश्य है ?

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2664**

Unique Paper Code : **12051301** **HC**

Name of the Paper : **Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadhunik Kaal)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi—CBCS**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध में अन्तर स्पष्ट करते हुए आधुनिकता की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी पत्रकारिता के विकास में महावीर प्रसाद द्विवेदी के योगदान की चर्चा कीजिए। 15

2. हिंदी उपन्यास की क्रमिक विकास-यात्रा का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

अथवा

हिंदी निबंध की विकास यात्रा में शुक्ल-युगीन निबन्धकारों के योगदान की समीक्षा कीजिए। 15

3. उत्तर-छायावादी काव्य की मुख्य प्रवृत्तियों का बीज छायावादी काव्य में ही निहित था—विचार करते हुए इसकी मुख्य विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

नई कविता परम्परागत कविता से आगे नवीन भाव बोध और नवीन शिल्प विधान की कविता है, इस आधार पर नई कविता की साहिंत्यिक प्रवृत्तियों का उद्घाटन कीजिए। 15

4. साठोत्तरी कविता अपने परिवेश एवं प्रवृत्तियों में पिछले साहित्य से जुड़े होने पर भी अपनी अलग पहचान रखती है—विचार करते हुए साठोत्तरी कविता की मूल प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

समकालीन हिंदी कहानी की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 8,7

(क) नवजागरण और भारतेन्दु मण्डल

(ख) आत्मकथा साहित्य

(ग) प्रगतिवाद

(घ) नवगीत।

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper	:	**2665**
Unique Paper Code	:	**12051302** HC
Name of the Paper	:	**Adhunik Kavita (Adhunik Kal Chhayawaad Tak)**
Name of the Course	:	**B.A. (Hons.) Hindi—CBCS**
Semester	:	**III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : 8+7

(क) उठ-उठ री लघु-लघु लोल लहर!

करुणा की नव अंगराई-सी,

मलयानिल की परछाईं-सी,

इस सूखे तट पर छिटक छहर

शीतल कोमल चिर कम्पन-सी,

दुर्ललित हठीले बचपन-सी,

तू लौट कहाँ जाती है री-

यह खेल खेल ले ठहर-ठहर!

अथवा

दिए हैं मैंने जगत को फूल-फल
किया है अपनी प्रभा से चकित-चल;
पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल-
ठाठ जीवन का वही
जो ढह गया है।

(ख) पीसा जाता जब इक्षु-दंड, झरती रस की धारा अखंड,
मेहँदी जब सहती है प्रहार, बनती ललनाओं का शृंगार,
जब फूल पिरोये जाते हैं,
हम उनको गले लगाते हैं।
वसुधा का नेता कौन हुआ ? भूखंड विजेता कौन हुआ ?
अतुलित यश-क्रेता कौन हुआ ? नव-धर्म-प्रणेता कौन हुआ ?
जिसने ना कभी आराम किया,
विघ्नों में रह कर नाम किया।

अथवा

कैसे करूँ कीर्तन, मेरे स्वर में है माधुर्य नहीं।
मन का भाव प्रकट करने को वाणी में चातुर्य नहीं॥
नहीं दान है, नहीं दक्षिणा खाली हाथ चली आई॥
पूजा की विधि नहीं जानती फिर भी नाथ चली आई॥

2. मैथिलीशरण गुप्त की काव्यगत विशेषताओं का विश्लेषण कीजिये। 12

अथवा

'स्त्री-अधिकार एवं त्याग का द्वंद्व यशोधरा की मूल समस्या है'–इस कथन का पाठ के आधार पर विवेचन कीजिये।

3. जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए। 12

अथवा

'लहर' के आधार पर प्रसाद की प्रेमानुभूति पर विचार कीजिए।

4. निराला की काव्यगत विशेषताओं का उदाहरण सहित उल्लेख कीजिये। 12

अथवा

'तोड़ती पत्थर' कविता निराला की काव्य-संवेदना को कई अर्थों में छायावाद के घेरे से बाहर लाती है। इस कथन पर विचार कीजिये।

5. 'रश्मिरथी' काव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिये। 12

अथवा

'वीरों का कैसा हो वसंत' कविता की मूल संवेदना लिखिए।

6. दिए गए निर्देशों के आधार पर किन्हीं **दो** पद्यांशों का रचना-कौशल लिखिए : 6+6

(क) ले चल वहाँ भुलावा देकर,
मेरे नाविक! धीरे-धीरे।
जिस निर्जन में सागर लहरी,
अंबर के कानों में गहरी-
निश्छल प्रेम-कथा कहती हो,
तज कोलाहल की अवनी रे।

(भाव सौंदर्य)

(ख) हँसता है तो केवल तारा एक
गुँथा हुआ उन घुँघराले काले बालों से,
हृदय-राज्य की रानी का वह करता है अभिषेक।
अलसता की-सी लता
किन्तु कोमलता की वह कली,
सखी नीरवता के कंधे पर डाले बाँह,
छाँह-सी अम्बर-पथ से चली।

(प्रकृति-सौंदर्य)

(ग) प्रियतम! तुम श्रुति पथ से आये।
तुम्हें हृदय में रख कर मैंने अधर कपाट लगाए
मेरे हास-विलास! किन्तु क्या भाग्य तुम्हें रख पाए
दृष्टि मार्ग से निकल गए ये तुम रसमय मनभाये

(वियोगानुभूति)

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2666**

Unique Paper Code : **12051303** **HC**

Name of the Paper : **Hindi Kahani**

Name of the Course : **B.A. (Hon.) Hindi—CBCS**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'पूस की रात' कहानी के आधार पर हल्कू का चरित्र-चित्रण कीजिए। 12

अथवा

'छोटा जादूगर' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

2. 'तीसरी कसम' कहानी के आधार पर हिरामन की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। 12

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए।

3. कहानी के तत्त्वों के आधार पर 'परिंदे' की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'दोपहर का भोजन' कहानी में चित्रित मूल समस्या पर विचार कीजिए।

P.T.O.

4. 'सिक्का बदल गया' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए। 12

अथवा

जीवनभर परिवार की बेहतरी के लिए चिंतित रहने वाले गजाधर बाबू रिटायरमेंट के बाद अपने घर में ही बाहरी क्यों हो जाते हैं ? 'वापसी' कहानी के आधार तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

5. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 9+9+9=27

(क) तुम्हें याद है, एक दिन तांगे वाले का घोड़ा दही की दुकान के आगे बिगड़ गया था। तुमने उस दिन मेरे प्राण बचाये थे। आप घोड़े की लातों में चले गए थे और मुझे उठाकर दुकान के तख्ते पर खड़ा कर दिया था। ऐसे ही इन दोनों को बचाना। यह मेरी भिक्षा है। तुम्हारे आगे मैं आँचल पसारती हूँ।

अथवा

दस बज चुका था। मैंने देखा कि उस निर्मल धूप में सड़क के किनारे एक कपड़े पर छोटे जादूगर का रंगमंच सजा था। मोटर रोककर उतर पड़ा। वहाँ बिल्ली रूठ रही थी। भालू मनाने चला था। ब्याह की तैयारी थी; यह सब होते हुए भी जादूगर की वाणी में वह

प्रसन्नता की तरी नहीं थी। जब वह औरों को हँसाने की चेष्टा कर रहा था, तब जैसे स्वयं कांप जाता था।

(ख) हिरामन आज सुबह से तीन बार लदनी लाद कर स्टेशन आ चुका है। आज न जाने क्यों उसको अपनी भौजाई की याद आ रही है......... धुन्नीरा ने कुछ कह तो नहीं दिया है, बुखार की झोंक में। यहीं कितना अटर-पटर बक रहा था— गुलबदन, तख्त-हजारा ! लहसनवां मौज़ में है। दिन-भर हीराबाई को देखता होगा। कल कह रहा था, हिरामन मालिक, तुम्हारे अकबाल से खूब मौज में हूँ।

अथवा

गलियारे की सीढ़ियाँ न उतरकर लतिका रेलिंग के सहारे खड़ी हो गयी। लैम्प की बत्ती को नीचे घुमाकर कोने में रख दिया। बाहर धुंध की नीली तहें बहुत घनी हो चली थीं। लॉन पर लगे हुए चीड़ के पत्तों की सरसराहट हवा के झोंकों के संग कभी तेज, कभी धीमी होकर भीतर बह आती थी। हवा में सर्दी का हल्का सा आभास पाकर लतिका के दिमाग में कल से शुरू होने वाली छुट्टियों का ध्यान भटक आया।

(ग) गजाधर बाबू ने आहत दृष्टि से पत्नी को देखा, उन्होंने अनुभव किया कि वह पत्नी और बच्चों के लिए केवल धनोपार्जन के निमित्त मात्र हैं। जिस व्यक्ति के अस्तित्व से पत्नी मांग में सिंदूर डालने की अधिकारिणी है, समाज में उसकी प्रतिष्ठा है, उसके सामने वह दो वक्त भोजन की थाली रख देने से सारे कर्तव्यों से छुट्टी पा जाती है। वह घी और चीनी के डिब्बों में इतनी रमी हुई है कि अब वही उसकी सम्पूर्ण दुनिया बन गयी है।

अथवा

राकेश काठ की तरह जड़ हो गया था। रमेश चौधरी की भर्राई आवाज जैसे हजारों मील दूर से आ रही थी। जिसे वह ठीक से सुन नहीं पा रहा था जैसे रमेश चौधरी किसी गहरी खाई में खड़ा है। जहाँ से प्रतिध्वनित होकर आ रही आवाज धीमी हो गयी थी। जिसे सुन पाना राकेश के लिए कठिन महसूस हो रहा था।

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1069**

Unique Paper Code : **205501** **H**

Name of the Paper : **हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. मध्यकालीन बोध की संकल्पना स्पष्ट करते हुए आधुनिक बोध में उसके संक्रमण की ऐतिहासिक परिस्थितियों का मूल्यांकन कीजिए। 15

अथवा

भारतेन्दु युग में मुद्रण-यंत्र के कारण रचना रूपों में आए परिवर्तन का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

2. छायावादी काव्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए। 15

अथवा

'भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और हिन्दी कविता' विषय पर सारगर्भित लेख लिखिए।

3. हिंदी उपन्यास **अथवा** हिंदी कहानी की विकास यात्रा का विवेचन कीजिए। 15

4. प्रगतिवादी काव्य **अथवा** नयी कविता की विशेषताएँ बताइए। 10

5. स्वतंत्रता के पश्चात् के हिंदी नाटकों की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

हिंदी कविता पर गाँधीवाद के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 5 + 5 = 10

(*i*) भारतेंदु युग और खड़ीबोली

(*ii*) यथार्थवाद

(*iii*) अकविता

(*iv*) हिंदी एकांकी

(*v*) शुक्लोत्तर हिंदी निबंध।

[This question paper contains 6 printed pages]

Your Roll No. : ....

Sl. No. of Q. Paper : **1070** **H**

Unique Paper Code : 205502

Name of the Course : **B.A.(Honours) Hindi**

Name of the Paper : आधुनिक कविता–2 : प्रश्नपत्र–XV

Semester : V

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

छात्रों के लिए निर्देश :

(1) इस प्रश्न–पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(2) **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7,8

(क) कितनी दूरियों से कितनी बार
कितनी डगमग नावों में बैठ कर
मैं तुम्हारी ओर आया हूं
ओ मेरी छोटी सी ज्योति !

P.T.O.

कभी कुहासे में तुम्हें न देखता भी
पर कुहासे की ही छोटी-सी रूपहली झलमल में
पहचानता हुआ तुम्हारा ही प्रभा-मंडल।

अथवा

मैं था अब तक शैव
शक्ति का पूजक था मैं परंपरा से
किंतु कलिंग-विजय के तांडव-लास-त्रास ने
मुझे समूचा हिला दिया है
हल करने का साधन हो सकती है
शक्ति समस्याओं के
मेरा यह विश्वास
धूल में उस विनाश ने मिला दिया है।

अथवा

गोर्की मखीम !
श्रमशील जागरूक जग के पक्षधर असीम !
घुल चुकी है तुम्हारी आशीष
एशियाई माहौल में
दहक उठा है तभी तो इस तरह वियतनाम !
अग्रज, तुम्हारी सौवीं बरसगाँठ पर
करता है भारतीय जनकवि तुमको प्रणाम!
गोर्की मखीम!!

विपक्षों के लेखे कुलिख-कठोर, भीम!!

श्रमशील जागरूक जग के पक्षधर असीम!!

गोर्की मखीम!!

(ख) देश है हम

महज राजधानी नहीं।

हम नगर थे कभी

खंडहर हो गये,

जनपदों में बिखर

गांव घर हो गये,

हम जमीं पर लिखे

आसमां के तले

एक इतिहास जीवित

कहानी नहीं।

अथवा

कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए

कहाँ चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए।

यहाँ दरख्तों के साये में धूप लगती है,

चलो यहाँ से चलें और उम्र-भर के लिए।

अथवा

अरे अब ऐसी कविता लिखो
कि उसमें छंद घूमकर आये
घुमड़ता जाये देह में दर्द
कहीं पर एक बार ठहराये
कि जिसमें एक प्रतिज्ञा करूँ
वही दो बार शब्द बन जाये
बताऊँ बार-बार वह अर्थ
न भाषा अपने को दोहराये

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15×3=45

(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित अज्ञेय की कविताओं के कला पक्ष पर उदाहरण सहित विचार कीजिए।

अथवा

नागार्जुन की कविता 'बहुत दिनों के बाद' में संवेदना पक्ष सोदाहरण उद्घाटित कीजिए।

(ख) नवगीत परंपरा में वीरेंद्र मिश्र का योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिन्दी ग़ज़ल परंपरा में दुष्यंत कुमार का स्थान निर्धारित कीजिए।

(ग) मोचीराम कविता में भाषा और शिल्प सम्बन्धी नवीनताएँ उद्घाटित कीजिए।

अथवा

'हिन्दी' कविता के आधार पर रघुवीर सहाय की भाषा पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 7+8=15

(क) अज्ञेय द्वारा प्रयुक्त 'कलगी बाजरे की' कविता में नवीन उपमानों का वर्णन कीजिए।

अथवा

नागार्जुन की कविताओं के शिल्प पक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भवानी प्रसाद मिश्र की 'कालजयी' कविता के आधार पर काव्य-भाषा पर विचार कीजिए।

(ख) 'मालिनी वसंती' गीत के माध्यम से वीरेन्द्र मिश्र की भाषा पर विचार कीजिए।

अथवा

रघुवीर सहाय की कविताओं में भाषा शिल्प के धरातल पर नए प्रयोग हुए हैं - स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

अथवा

केदारनाथ सिंह की कविता 'सड़क पर दिख गए कवि त्रिलोचन' का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : ....

Sl. No. of Q. Paper : **1071** **H**

Unique Paper Code : 205503

Name of the Course : **B.A.(Honours) Hindi**

Name of the Paper : हिंदी निबन्ध और अन्य गद्य विधाएँ

Semester : V

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

निर्देश : इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

खण्ड - 'क'

1. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 7+8=15

(क) भेड़िया धसान अथवा भेड़ चाल का अर्थ सभी जानते हैं कि जब भेड़ों का समूह चलता है तो एक के पीछे एक पंक्तिबद्ध होकर चलता है और सबके आगे चलने वाली भेड़ों का अनुगमन इतनी निश्चिन्तता के साथ आँखें मींचे सिर झुकाए हुए करता है कि यदि वे कुआँ में गिर पड़ें तो यह भी सब भरभरा के गिर

P.T.O.

पड़ें। पर यह बात कहने ही सुनने भर की हैं। किसी ने कभी भेड़ों के किसी झुण्ड को कुएं में गिरते देखा न होगा। क्योंकि प्रत्येक समूह के साथ एक वा कई गड़रिए अवश्य रहते हैं जो उन्हें नष्ट मार्ग से बचाए हुए सीधे निष्कंटक पक्ष से चलाते रहे हैं और समूह के चलने के लिए रास्ता भी ऐसा ही लम्बा चौड़ा और बराबर होता है, जिसमें कुआं खाता आदि न हों।

अथवा

यह ठीक कि मनोवेग उत्पन्न होना और बात है और मनोवेग के अनुसार व्यवहार करना और बात, पर अनुसारी परिणाम के निरंतर अभाव से मनोवेगों का अभ्यास भी घटने लगता है। यदि कोई मनुष्य आवश्यकतावश कोई निष्ठुर कार्य अपने ऊपर ले ले तो पहले दो-चार बार उसे दया उत्पन्न होगी, पर जब बार-बार दया की प्रेरणा के अनुसार कोई परिणाम वह उपस्थित न कर सकेगा तब धीरे-धीरे उसका दया का अभ्यास कम होने लगेगा, यहाँ तक कि उसकी दया की वृत्ति ही मारी जाएगी।

(ख) मैं मानता हूँ, पुस्तकें भी कुछ-कुछ घुमक्कड़ी का रस प्रदान करती हैं, लेकिन जिस तरह फोटो देखकर आप हिमालय के देवदार के गहन वनों और श्वेत हिम-मुकुटित शिखरों के सौंदर्य, उनके रूप, उनकी गंध का अनुभव नहीं कर सकते, उसी तरह यात्रा-कथाओं से आपको उस बूंद से भेंट नहीं हो सकती, जो कि एक घुमक्कड़

को प्राप्त होती है। अधिक से अधिक यात्रा-पाठकों के लिए यही कहा जा सकता है कि दूसरी बातों की अपेक्षा उन्हें थोड़ा आलोक मिल जाता और साथ ही ऐसी प्रेरणा भी मिल सकती है, जो स्थायी नहीं तो कुछ दिनों के लिए तो उन्हें घुमक्कड़ बना ही सकती है। घुमक्कड़ क्यों दुनिया का सर्वश्रेष्ठ विभूति है ? इसीलिए कि उसी ने आज की दुनिया को बनाया है। यदि आदिम पुरुष एक जगह नदी या तालाब के किनारे गर्म मुल्क में पड़े रहते, तो वह दुनिया को आगे नहीं ले जा सकते थे।

अथवा

पर इस सबसे न तो कुछ होना था, न हुआ। लोग महीना-भर से जानते थे कि मित्र को जाना है। इसलिए मतलब की सभी बातें पहले ही अकेले में खत्म हो चुकी थीं और सबके सामने वह सभी बातें की जा चुकी थीं, जो सबके सामने कही जाती हैं। सामान रखा ही जा चुका था, टिकट खरीदा ही जा चुका था। मालाएँ डालीं ही जा चुकी थीं। हाथ या गले या दोनों मिल ही चुके थे और गाड़ी चलने का नाम तक न लेते थी। थियेटर में जब हीरो पर वार करने के लिए विलेन खंजर तानकर तिरछा खड़ा हो जाता है, उस वक्त पर्दे की डोरी अटक जाए तो सोचिये क्या होगा ? कुछ वैसी ही हालत थी। पर्दा नहीं गिर रहा था।

P.T.O.

2. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 3×15=45

(क) 'जबान' निबंध की तात्विक समीक्षा कीजिये।

(ख) 'मजदूरी और प्रेम' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए।

(ग) 'कुटज' निबंध के केन्द्रीय विचार का विश्लेषण कीजिये।

(घ) 'भक्तिन' पाठ के आधार पर भक्तिन का चरित्र-चित्रण कीजिये।

(च) 'भोलाराम का जीव' पाठ में लेखक ने सरकारी तंत्र और कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर करारा व्यंग्य किया है' - स्पष्ट कीजिये।

खण्ड - 'ख'

3. (क) डॉ राजेन्द्र प्रसाद की आत्मकथा के आधार पर उनके (राजेन्द्र प्रसाद) जेल के प्रथम अनुभव का वर्णन कीजिये। 10

अथवा

'सर्चलाईट' के संपादक के रूप में राजेन्द्र प्रसाद की भूमिका पर विचार कीजिये।

(ख) 'जूटन' शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिये। 5

अथवा

बच्चन ने कवि सम्मेलनों के सम्बन्ध में क्या कहा है ? 'बच्चन' की आत्मकथा के आधार पर उत्तर दीजिये।

अथवा

'अपनी खबर' में उग्र जी ने अपने जन्म और नामकरण के सम्बन्ध में क्या कहा है ?

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 1072

Unique Paper Code : 205504 H

Name of the Paper : XVII : Hindi Natak

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न कीजिए।

1. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 8 + 7 =15

(क) अंग्रेज राज सुख साज सजे सब भारी।
पै धन बिदेस चलि जात इहै अति ख्वारी।।
ताहू पै मंहगी काल रोग बिस्तारी।
दिन-दिन दूने दु:ख ईस देत हा हा री।
सबकें ऊपर टिक्कस की आफत आई।
हा हा! भारत दुर्दशा न देखी जाई।।

(ख) फिर महाराज, जो धन की सेना बची थी उसको जीतने को भी मैंने बड़े बाँके वीर भेजे। अपव्यय, अदालत, फैशन और सिफारिश—इन चारों ने सारी दुश्मन की फौज तितिर-बितिर कर दी। अपव्यय ने खूब लूट मचाई। अदालत ने भी अच्छे हाथ साफ किए। फैशन ने तो बिल और टोटल के इतने गोले मारे कि अंटाधार कर दिया। और सिफारिश ने भी खूब ही छकाया। पूरब से पच्छिम और पच्छिम से पूरब तक पीछा करके खूब भगाया।

(ग) निर्लज्ज! मद्यप! क्लीव!!! ओह, तो मेरा कोई रक्षक नहीं (ठहरकर) नहीं, मैं अपनी रक्षा स्वयं करूँगी। मैं उपहार में देने की वस्तु, शीतलमणि नहीं हूँ। मुझमें रक्त की तरल लालिमा है। मेरा हृदय ऊष्ण है और उसमें आत्म-सम्मान की ज्योति है। उसकी रक्षा मैं ही करूँगी।

(घ) राजा यानी अनुरंजक! हम जिसे राजा घोषित करेंगे वह हमारा अनुरंजक और धर्म का रक्षक होगा, इसलिए नहीं कि उसमें ईश्वर की शक्ति, या देवताओं के तेज का स्वरूप है, बल्कि इसलिए कि उसके अधिकारों की बुनियाद होगा हमारा दिया हुआ विधान, हमारी बाँधी गई शर्तें।

भारतेन्दु हरिश्चंद्र कृत 'भारत दुर्दशा' नाटक की तात्विक समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'भारत दुर्दशा' नाटक की प्रतीकात्मकता पर प्रकाश डालिए।

प्रसाद कृत 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में स्त्री-चेतना की अभिव्यक्ति मिलती है। स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर ध्रुवस्वामिनी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

जगदीश चंद्र माथुर के 'पहला राजा' की नाट्य-भाषा पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

राम कुमार वर्मा के एकांकी 'चारूमित्रा' के आधार पर चारूमित्रा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 15

(क) स्वदेश दीपक कृत 'कोर्ट मार्शल' नाटक सामाजिक विसंगतियों का उद्‌घाटन करता है। इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ख) मीरा कान्त कृत 'नेपथ्य राग' पितृसत्ता एवं स्त्री आकांक्षा
के संघर्ष की कथा है।' इस कथन के आलोक में अप
विचार व्यक्त कीजिए।

(ग) लक्ष्मी नारायण लाल कृत 'सत्य हरिश्चंद्र' नाटक के कथ
पर प्रकाश डालिए।

(घ) लक्ष्मी नारायण मिश्र के नाटक 'मुक्ति का रहस्य'
आधुनिकता एवं परंपरा के द्वंद्व को स्पष्ट कीजिए।

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3109 **HC**

Unique Paper Code : 12051501

Name of the Paper : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi CBCS (SEC)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

अरस्तू के अनुसार त्रासदी को परिभाषित करते हुए उसके तत्त्वों का निरूपण कीजिए। (12)

अथवा

उदात्त को परिभाषित करते हुए उसके अंतरंग व बहिरंग तत्वों पर प्रकाश डालिए।

कॉलरिज के कल्पना-सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए। (12)

P.T.O.

3109

अथवा

इलियट के निर्वैयक्तिकता के सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।

(12

3. 'संरचनावाद' पर एक आलेख लिखिए।

अथवा

यथार्थवाद को परिभाषित करते हुए साहित्य के साथ उसके सम्बन्धों पर विच
कीजिए।

(12

4. प्रतीक को परिभाषित करते हुए उसका वर्गीकरण कीजिए।

अथवा

फैंटेसी की उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए – (9×3=27

(i) अनुकरण सिद्धांत

(ii) वस्तुनिष्ठ सह-संबंध का सिद्धांत

(iii) उत्तर-संरचनावादी अवधारणा

(iv) स्वच्छंदतावाद

(v) बिम्ब

(vi) मिथक और साहित्य

This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper: **2347** **HC**

Unique Paper Code : **62051102**

Name of Paper : **M.I.L.; Hindi Bhasha Aur Sahitya; Hindi (A)**

Name of Course : **B.A. (Prog.) CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) करता था तौ क्यूँ रह्या, अब करि क्यूँ पछताइ।।
बोवै पेड़ बबूल का, अंब कहाँ तैं खाई।।
कबीर इस संसार को, समझाऊं कै बार।
पूँछ जु पकड़ै भेड़ की, उतर्‌या चाहै पार।।

अथवा

म्हारो गोकुल रो ब्रजवासी।।
ब्रजलीला लख जण सुख पावाँ, ब्रजवणताँ सुखरासी।
णाच्याँ गावाँ ताल बजावाँ, पावाँ आणंद हाँसी।

P. T. O.

णन्द जसोदा पुत्र री, प्रगटयाँ प्रभु अविनासी।
पीताम्बर कट उर बैजणताँ, कर सोहाँ री बाँसी।
मीराँ रे प्रभु गिरधर नागर, दरसण दीज्यो दासी।

(ख) वे न इहाँ नागर, बढ़ी जिन आदर तो आब।
फूल्यौ अनफूल्यौ भयौ गँवई-गाँव, गुलाब।।
चल्यौ जाइ, ह्याँ को करै हाथिनु के व्यापार।
नहीं जानतु, इहिं पुर बसैं धोबी, ओड़, कुँभार।।

अथवा

हीन भएँ जलमीन अधीन कहा कछु मो अकुलनि समानै।
नीर सनेही को लाय कलंक निरास ह्वै कायर त्यागत प्रानै।
प्रीति की रीति सु क्यों समझै जड़, मीत के पानि परे कौं प्रमानै।
या मन की जु दसा घनआँनद जीव की जीवनि जान ही जानै।।

(ग) अधिकार खोकर बैठ रहना, यह महा दुष्कर्म है;
न्यायार्थ अपने बंधु को भी दण्ड देना धर्म है।
इस तत्त्व पर ही कौरवों से पाण्डवों का रण हुआ,
जो भव्य भारतवर्ष के कल्पान्त का कारण हुआ।।

अथवा

हिमाद्रि तुंग शृंग से
प्रबुद्ध शुद्ध भारती—
स्वयं प्रभा समुज्ज्वला
स्वतंत्रता पुकारती—

अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़-प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पंथ है— बढ़े चलो, बढ़े चलो ! 10×3=30

2. किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए:

(क) मीराँबाई

(ख) कबीरदास । 10

3. घनानन्द का प्रेम संबंधी दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बिहारी की कविता के सौष्ठव पर प्रकाश डालिए। 10

4. 'जयद्रथ वध' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

अथवा

काव्य-कला की दृष्टि से कवि नागार्जुन की कविता का मूल्यांकन कीजिए। 10

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:

(क) आधुनिक भारतीय भाषाएँ

(ख) हिंदी भाषा का परिचय

(ग) आदिकाल की विशेषताएँ

(घ) निर्गुण भक्ति काव्य धारा की प्रवृत्तियाँ

(च) भारतेन्दुयुगीन कविता

(छ) कथाकार प्रेमचंद । $5 \times 3 = 15$

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper: **2348** **HC**

Unique Paper Code : **62051103**

Name of Paper : **M.I.L.; Hindi Bhasha Aur Sahitya (B)**

Name of Course : **B.A. (Prog.) CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
एकै आषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ।

अथवा

जासु नाम सुमरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।।
सोइ कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।।

(ख) या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहिं कोइ।
ज्यौं ज्यों बूड़ै स्याम रंग, त्यौं त्यौं उज्जलु होइ।।

अथवा

P. T. O.

साजि चतुरंग-सैन अंग में उमंग धारि, सरजा सिवाजी जंग
जीतन चलत है।
भूषन भनत नाद-बिहद नगारन के, नदीनद मद गैबरन के
रलत है।
ऐलफैल खैलभैल खलक में गैलगैल, गजन की ठैलपैल
सैल उसलत है।
तारा सो तरनि धूरिधारा में लगत जिमि, थारा पर पारा
पारावार यों हलत है।

(ग) सुधा-धार यह नीरस दिल की
मस्ती मगन तपस्वी की।
जीवन ज्योति नष्ट नयनों की
सच्ची लगन मनस्वी की।।

अथवा

नव गति, नव लय, ताल-छंद नव
नवल कंठ, नव जलद-मंद्ररव
नव नभ के नव विहंग-वृंद को
नव दानव स्तर दे! 10+10+10

2. कबीरदास **अथवा** तुलसीदास का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

3. बिहारी के दोहों **अथवा** भूषण-कृत काव्य का सार लिखिए। 10

4. 'बालिका का परिचय' **अथवा** 'वर दे वीणावादिनी' का काव्य-सौन्दर्य लिखिए। 10

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए:

(अ) आधुनिक भारतीय भाषाएँ : सामान्य परिचय

(ब) अवधी। 5

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए:

(अ) सिद्ध-नाथ साहित्य

(ब) संत-काव्य

(स) प्रगतिवाद

(द) नई कविता। 5+5=10

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper: **2349** **HC**

Unique Paper Code : **62051104**

Name of Paper : **M.I.L.; Hindi Bhasha Aur Sahitya Hindi (C)**

Name of Course : **B.A. (Prog.) CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोए थे,
सोचा था, पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे,
रुपयों की फलदार मधुर फसलें खनकेंगी
और फूल-फल कर, मैं मोटा सेठ बनूँगा!
पर बंजर धरती में एक न अंकुर फूटा,
बन्ध्या मिट्टी ने एक भी पैसा न उगला।
सपने जाने कहाँ मिटे, कब धूल हो गए!

अथवा

करके विधि वाद न खेद करो
निज लक्ष्य निरन्तर भेद करो

P. T. O.

बनता वस उद्‌यम ही विधि है
मिलती जिससे सुख की निधि है
समझो धिक् निष्क्रिय जीवन को
नर हो, न निराश करो मन को
कुछ काम करो, कुछ काम करो !

(ख) अति सूधो सनेह को मारग है, जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलै तजि आपुनपौ झझकै कपटी जे निसाँक नहीं।।
घनआनंद प्यारे सुजान सुनौ इत एक तें दूसरों आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ लला मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं।।

अथवा

कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं, नैनन ही सौं बात।।

(ग) कबीर संगति साध की, कदे न निरफल होइ।
चंदन होसी बाँवना, नीब न कहसी कोइ।।

अथवा

मैया मैं नहिं माखन खायौ।
ख्याल परैं ये सखा सबै मिलि, मेरैं मुख लपटायौ।
देखि तुहीं सींके पर भाजन, ऊँचे धरि लटकायौ।
हौं जु कहत नान्हे कर अपनैं मैं कैसें करि पायौ।।
मुख दधि पोंछि, बुद्धि इक कीन्हीं, दोना पीठि दुरायौ।
डारि साँटि, मुसुकाइ जसोदा, स्यामहिं कंठ लगायौ।

10×3=30

2. सुमित्रानंदन पंत **अथवा** मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

3. घनानंद के पदों में वर्णित प्रेम-भाव का वर्णन कीजिए।

अथवा

बिहारी की श्रृंगार-भावना का निरूपण कीजिए। 10

4. कबीर की भाषा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'ऊधो मन न भए दस बीस'— के आधार पर गोपियों की विरह-भावना का वर्णन कीजिए। 10

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:

(क) हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

(ख) हिंदी का भौगोलिक विस्तार

(ग) आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ

(घ) भक्ति काल का महत्त्व

(च) भारतेन्दु युग की विशेषताएँ

(छ) छायावाद की विशेषताएँ। 5×3=15

[This question paper contains 7 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **23**

Unique Paper Code : **205381** **H**

Name of the Paper : **हिंदी सर्जनात्मक, लेखन और अनुवाद**

Name of the Course : **बी.कॉम (प्रोग्राम)**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सर्जनात्मक लेखन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए साहित्य के क्षेत्र में हिंदी के स्वरूप की विवेचना कीजिए। 8

अथवा

सर्जनात्मक लेखन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

2. (क) जयशंकर प्रसाद की कविता 'ले चल मुझे भुलावा देकर' का प्रतिपाद्य लिखिए।

अथवा

सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

घूम रहा है कैसा चक्र!

यह नवनीत कहाँ जाता है, रह जाता है तक्र

पिसो, पड़े हो इसमें जब तक,

क्या अन्तर आया है अब तक,

सहें अंततोगत्वा कब तक।

हम इसकी गति वक्र ?

(ख) 'उसने कहा था' कहानी के आधार पर लहना सिंह का चरित्र-चित्रण लिखिए। 5

अथवा

'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी की मुख्य समस्या पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'सूखी डाली' एकांकी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

'अंडे के छिलके' रंगमंच की दृष्टि से सफल एकांकी है—स्पष्ट कीजिए।

3. (क) अपने महाविद्यालय में हुए चुनाव की एक सारगर्भित रिपोर्ट प्रस्तुत कीजिए। 8

अथवा

अपने जीवन की अविस्मरणीय यात्रा पर एक टिप्पणी लिखिए।

(ख) व्यावसायिक और गैर-व्यावसायिक विज्ञापनों में अन्तर उदाहरण सहित लिखिए। 7

अथवा

एक सफल फीचर की विशेषताएँ बताइए।

4. (क) बीमा क्षेत्र में हिंदी की स्थिति स्पष्ट कीजिए। 7

अथवा

वाणिज्य जगत में हिंदी के योगदान का उल्लेख कीजिए।

(ख) बैंकों में हिंदी के प्रयोग की क्या स्थिति है ? 7

अथवा

वित्त संस्थानों में किस प्रकार की हिंदी प्रयुक्त होती है ?

5. (क) बहुभाषी भारतीय समाज में अनुवाद की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डालिए। 5

अथवा

अनुवाद के मूल्यांकन की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

(ख) प्रशासनिक कार्यों में अनुवाद की उपयोगिता पर टिप्पणी लिखिए। 5

अथवा

अनुवाद के साधनों को स्पष्ट कीजिए।

6. (क) दिए गए अनुच्छेद का हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 6

युवावस्था में व्यक्ति कल्पनाशील होता है और यदि कल्पना को अनुशासन से सशक्त बना दिया जाए तो कल्पना की यह शक्ति जीवन-पर्यंत एक बड़ी मात्रा में संचित की जा सकती है। संसार की त्रासदी यह है कि जो कल्पनाशील है उसके पास अल्प अनुभव है और जो अनुभवी हैं उनकी कल्पना मंद होती है। मूर्ख ज्ञान रहित कल्पना का प्रयोग करते हैं और विद्या आडंबरधारी कल्पनाहीन ज्ञान का विश्वविद्यालय का काम है ज्ञान और अनुभव को जोड़ना।

अथवा

ऑनलाइन शॉपिंग की सुविधा देने वाली कंपनियाँ कहती हैं कि क्या आप घर में रहते हुए बाज़ार में घूमने की सोच सकते हैं ? यह मीडियम है जो आपके बेडरूम से ऑफिस तक एक सुपरमार्किट हाजिर कर

देता है। ट्रेडिशनल मार्केट में अगर आपको दो चार ब्रैंड्स के प्राइस क्रॉसचेक करने हों तो आपका पूरा दिन निकल जाएगा और जरूरी नहीं कि आप कर पाएं। पेमेंट मेकेनिज्म बदलने से कई संभावनाओं के द्वार खुले हैं।

(ख) दिए गए अनुच्छेद का अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद कीजिए : 6

The emergence of the knowledge based on industries and the post industrialist revaluation are megatrends now almost fully played out in the advance economics, but will no doubt do so elsewhere too. The emphasis everywhere is no learning as an integral function of the organisation. Thus the search is on for the magic recipes that would make the employee willingly exert himself to excel. He most wants to go the extra miles for the benefit of the employer, continuing to innovate and develop his expertise all to keep the corporation competitive on the market place.

Or

The novel with a purpose has various branches. The based amongst them is the historical novel which deals with the particular period of history. A famous personality or an incident, when we read this novel, we lives those periods and more in the long dead society, usually historical novel are pure fiction with an appeal to young minds.

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : ....

Sl. No. of Q. Paper : **2841** **HC**

Unique Paper Code : 62051312

Name of the Course : **B.A. (Prog) C.B.C.S.**

Name of the Paper : Hindi-A

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

(इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।)

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10×2=20

(क) जाड़े के दिन थे और रात का समय। नमक के सिपाही, चौकीदार नशे में मस्त थे। मुंशी वंशीधर को यहाँ आए अभी छह महीने से अधिक न हुए थे लेकिन इस थोड़े समय में ही उन्होंने अपनी कार्यकुशलता और उत्तम आचार से अफसरों को मोहित कर लिया था। अफसर लोग उन पर बहुत विश्वास करने लगे। नमक के दफ्तर से एक मील पूर्व की ओर जमुना बहती थीं, उस पर नावों का एक पुल बना हुआ था। दरोगा जी किवाड़ बंद किए मीठी नींद सो रहे थे।

P.T.O.

अचानक आँख खुली तो नदी के प्रवाह की जगह गाड़ियों की गड़गड़ाहट तथा मल्लाहों का कोलाहल सुनाई दिया।

अथवा

मन की आशाएँ और उमंगें जैसे बढ़ती हैं, वैसे ही मेरा नेता भी बढ़ने लगा। थोड़ा बड़ा हुआ, तो गाँव के स्कूल में ही उसकी शिक्षा प्रारम्भ हुई। यद्यपि मैं इस प्रबंध से विशेष संतुष्ट नहीं थीं, पर स्वयं ही मैंने ऐसी परिस्थिति बना डाली थी कि इसके सिवाय कोई चारा नहीं था। धीरे-धीरे उसने मिडिल पास किया। यहाँ तक आते-आते उसने संसार के सभी महान व्यक्तियों की जीवनियाँ और क्रांतियों के इतिहास पढ़ डाले।

(ख) प्रत्येक देश का साहित्य उस देश के मनुष्यों के हृदय का आदर्श रूप है। जो जाति जिस समय भाव से परिपूर्ण या परिलुप्त रहती है वे सब उसके भाव उस समय के साहित्य की समालोचना से अच्छी तरह प्रगट हो सकते हैं। मनुष्य का मन जब शोक-संकुल, क्रोध से उद्दीप्त या किसी प्रकार की चिंता से दोचिंता रहता है तब उसकी मुखच्छवि तमसाच्छन्न, उदासीन और मलिन रहती है: उस समय कण्ठ से जो ध्वनि निकलती है वह भी या तो फुटही ढोल समान बेसुरी, बेताल या करूणापूर्ण तथा विकृत-स्वर संयुक्त होती हैं।

अथवा

उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में होती है। किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उसकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम के विचार से होता है। वही उत्साह जो कर्त्तव्य कर्मों के प्रति इतना सुंदर दिखाई पड़ता है, अकर्त्तव्य कर्मों की ओर होने पर वैसा श्लाघ्य नहीं प्रतीत होता। आत्मरक्षा, पर-रक्षा, देश-रक्षा आदि के निमित्त साहस की जो उमंग दिखाई देती है उसके सौंदर्य को परपीड़न डकैती आदि कर्मों का साहस कभी नहीं पहुंच सकता। यह बात होते हुए भी विशुद्ध उत्साह या साहस की प्रशंसा संसार में थोड़ी-बहुत होती ही है। अत्याचारियों या डाकुओं के शौर्य और साहस की कथाएँ भी लोग तारीफ करते हुए सुनते हैं।

12

2. हिन्दी उपन्यास के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

संस्मरण विधा पर प्रकाश डालिए।

3. 'पुरस्कार' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए। 12

अथवा

'मलबे का मालिक' कहानी की मूल संवेदना व्यक्त कीजिए।

P.T.O.

4. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं'? निबन्ध के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध शैली पर विचार कीजिए। 12

अथवा

'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध में विद्यानिवास मिश्र ने किस समस्या को उजागर किया है

5. 'अंधेर नगरी' नाटक की संवेदना। 12

अथवा

'घीसा' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. किसी एक पर टिप्पणी कीजिए। 7

(क) प्रसादोत्तर युग के प्रमुख नाटककार

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास का सामान्य परिचय।

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : ....

Sl. No. of Q. Paper : **2841** **HC**

Unique Paper Code : 62051312

Name of the Course : **B.A. (Prog) C.B.C.S.**

Name of the Paper : Hindi-A

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

(इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।)

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10×2=20

(क) जाड़े के दिन थे और रात का समय। नमक के सिपाही, चौकीदार नशे में मस्त थे। मुंशी वंशीधर को यहाँ आए अभी छह महीने से अधिक न हुए थे लेकिन इस थोड़े समय में ही उन्होंने अपनी कार्यकुशलता और उत्तम आचार से अफसरों को मोहित कर लिया था। अफसर लोग उन पर बहुत विश्वास करने लगे। नमक के दफ्तर से एक मील पूर्व की ओर जमुना बहती थीं, उस पर नावों का एक पुल बना हुआ था। दरोगा जी किवाड़ बंद किए मीठी नींद सो रहे थे।

P.T.O.

अचानक आँख खुली तो नदी के प्रवाह की जगह गाड़ियों की गड़गड़ाहट तथा मल्लाहों का कोलाहल सुनाई दिया।

अथवा

मन की आशाएँ और उमंगें जैसे बढ़ती हैं, वैसे ही मेरा नेता भी बढ़ने लगा। थोड़ा बड़ा हुआ, तो गाँव के स्कूल में ही उसकी शिक्षा प्रारम्भ हुई। यद्यपि मैं इस प्रबंध से विशेष संतुष्ट नहीं थीं, पर स्वयं ही मैंने ऐसी परिस्थिति बना डाली थी कि इसके सिवाय कोई चारा नहीं था। धीरे-धीरे उसने मिडिल पास किया। यहाँ तक आते-आते उसने संसार के सभी महान व्यक्तियों की जीवनियाँ और क्रांतियों के इतिहास पढ़ डाले।

(ख) प्रत्येक देश का साहित्य उस देश के मनुष्यों के हृदय का आदर्श रूप है। जो जाति जिस समय भाव से परिपूर्ण या परिलुप्त रहती है वे सब उसके भाव उस समय के साहित्य की समालोचना से अच्छी तरह प्रगट हो सकते हैं। मनुष्य का मन जब शोक-संकुल, क्रोध से उद्दीप्त या किसी प्रकार की चिंता से दोचिंता रहता है तब उसकी मुखच्छवि तमसाच्छन्न, उदासीन और मलिन रहती है: उस समय कण्ठ से जो ध्वनि निकलती है वह भी या तो फुटही ढोल समान बेसुरी, बेताल या करूणापूर्ण तथा विकृत-स्वर संयुक्त होती हैं।

अथवा

उत्साह की गिनती अच्छे गुणों में होती है। किसी भाव के अच्छे या बुरे होने का निश्चय अधिकतर उसकी प्रवृत्ति के शुभ या अशुभ परिणाम के विचार से होता है। वही उत्साह जो कर्त्तव्य कर्मों के प्रति इतना सुंदर दिखाई पड़ता है, अकर्त्तव्य कर्मों की ओर होने पर वैसा श्लाघ्य नहीं प्रतीत होता। आत्मरक्षा, पर-रक्षा, देश-रक्षा आदि के निमित्त साहस की जो उमंग दिखाई देती है उसके सौंदर्य को परपीड़न डकैती आदि कर्मों का साहस कभी नहीं पहुंच सकता। यह बात होते हुए भी विशुद्ध उत्साह या साहस की प्रशंसा संसार में थोड़ी-बहुत होती ही है। अत्याचारियों या डाकुओं के शौर्य और साहस की कथाएँ भी लोग तारीफ करते हुए सुनते हैं।

2. हिन्दी उपन्यास के इतिहास पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

संस्मरण विधा पर प्रकाश डालिए।

3. 'पुरस्कार' कहानी का सार अपने शब्दों में लिखिए। 12

अथवा

'मलबे का मालिक' कहानी की मूल संवेदना व्यक्त कीजिए।

P.T.O.

4. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं'? निबन्ध के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध शैली पर विचार कीजिए। 12

अथवा

'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध में विद्यानिवास मिश्र ने किस समस्या को उजागर किया है

5. 'अंधेर नगरी' नाटक की संवेदना। 12

अथवा

'घीसा' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. किसी एक पर टिप्पणी कीजिए। 7

(क) प्रसादोत्तर युग के प्रमुख नाटककार

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास का सामान्य परिचय।

This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 2842

Unique Paper Code : 62051313 HC

Name of the Paper : Hindi-B

Name of the Course : B.A. (Prog.)—CBCS

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय दीजिये। 12

अथवा

हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

2. 'बूढ़ी काकी' कहानी की मूल संवेदना लिखिए। 12

अथवा

'उसने कहा था' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए।

3. 'सदाचार का ताबीज़' पाठ के मूल कथ्य पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'मेले का ऊंट' पाठ के मूल विचार का विश्लेषण कीजिये।

4. 'अंधेर नगरी' नाटक में वर्णित समस्या का वर्णन कीजिये। 12

अथवा

'बिबिया' पाठ में लेखिका ने समाज की किस समस्या की ओर इंगित किया है ? पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर विवेचन कीजिये।

5. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : 2×10

(क) अब दोनों जाते हैं। मेरे भाग! तुम्हें याद है एक दिन तांगे वाले का घोड़ा दही वाले की दूकान के पास बिगड़ गया था। तुमने उस दिन मेरे प्राण बचाए थे। आप घोड़े की लातों में चले गए थे और मुझे उठा कर दुकानों के तख्ते पर खड़ा कर दिया था। ऐसे ही इन दोनों को बचाना। यह मेरी भिक्षा है। तुम्हारे आगे मैं आँचल पसारती हूँ।

(ख) मुझे नहीं मालूम था कि मेरे राज्य में ऐसे चमत्कारी साधू भी हैं। महात्मन हम आपके बहुत आभारी हैं। आपने हमारा संकट हर लिया । हम सर्वव्यापी भ्रष्टाचार से बहुत परेशान थे। मगर हमें लाखों नहीं करोड़ों ताबीज़ चाहिए। हम राज्य की ओर से ताबीजों का एक कारखाना खोल देते हैं। आप उसके जनरल मैनेजर बन जाएँ और अपनी देख-रेख में बढ़िया ताबीज़ बनवाएँ।

(ग) बात यह है कि कल कोतवाल को फांसी का हुक्म हुआ था। जब फांसी देने को उसको ले गए तो फांसी का फंदा बड़ा हुआ, क्योंकि कोतवाल साहब दुबले हैं। हम लोगों ने महाराज से अर्ज किया, इस पर हुकुम हुआ कि एक मोटा आदमी पकड़ कर फांसी दे दो क्योंकि बकरी मारने के अपराध में किसी-न-किसी को सजा होनी जरूर है, नहीं तो न्याय ना होगा। इसी वास्ते तुमको ले जाते हैं कि कोतवाल के बदले तुमको फांसी दें।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 7

(क) कहानी के तत्व

(ख) नाटक का विकास

(ग) संस्मरण विधा।

This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper : **304** **H**

Unique Paper Code : **205539**

Name of Paper : **हिन्दी क (Hindi A)**

Name of Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **V**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

1. किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

(क) मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में चमकता हीरा है,
हर-एक छाती में आत्मा अधीरा है,
प्रत्येक सुस्मित में विकल सदानीरा है,
मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक वाणी में महाकाव्य-पीड़ा है।

(i) प्रस्तुत अंश किस कविता से लिया गया है? इसके कवि कौन हैं?

(ii) 'आत्मा अधीरा' और 'विकल सदानीरा' का लाक्षणिक अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iii) क्या प्रस्तुत पंक्तियों के आधार पर कवि को 'सामान्य जन का कवि' कहा जा सकता है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) संविधान आदि की भाषा में शब्दों का विशिष्ट अर्थ, उसका प्रयोग, स्थान, वाक्यांश का गठन, शब्दों और भावों का

तारतम्य अंतिम अर्थ की स्पष्टता के साधन हैं। इनकी भाषा में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि अर्थभेद न होने पाए। वैधिक प्रारूपण में कठिन स्थलों को समझाने के लिए अलग व्याख्या और परिभाषा तक दे दी जाती है। यह सब टीका के रूप में ही होता है न की मूल रूप में। इस सबसे हमारा मंतव्य है कि हिन्दी भाषियों को क्लिष्टता के भूत को अपने मस्तिष्क से निकाल देना होगा?

(i) प्रस्तुत पंक्तियों के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) लेखक के अनुसार संविधान की भाषा में क्या-क्या विशेषताएँ होनी चाहिए?

(iii) लेखक ने क्यों कहा 'हिन्दी भाषियों को क्लिष्टता के भूत को अपने मस्तिष्क से निकाल देना होगा'?

(ग) धर्म के बिना तो हिन्दुस्तान का या किसी भी देश का काम चल सकता है, लेकिन एक साझा मिथकावली के बिना किसी देश का काम नहीं चल सकता है। मसलन, यदि कोई वामपंथी विशेषज्ञ यह नुस्खा सुझाये कि आप महाभारत की कथाओं को अपनी याद्दाश्त से बाहर निकाल दीजिए और फिर देश बनाइए, तो यह काम ब्रह्मा और विश्वकर्मा मिलकर भी नहीं कर सकते। महाभारत कोई धर्मग्रंथ नहीं है। वह इस देश के बाशिंदों के अनुभवों का निचोड़ है और होमर या शेक्सपियर की तरह वह सार्वकालिक और पंथ-निरपेक्ष है।

(i) प्रस्तुत पंक्तियों के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) साझा मिथकावली से लेखक का क्या तात्पर्य है?

(iii) महाभारत को लेखक ने धर्मग्रंथ क्यों नहीं माना?

9+9=18

2. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) 'मैं हार गइ कहानी' के शीर्षक पर विचार कीजिए।

(ख) बीसवीं सदी की साहित्यिक दृष्टि से इलाहाबाद की महत्ता पर प्रकाश डालिए। (अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा)

(ग) 'पर्दा उठाओ पर्दा गिराओ' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'मुझको न मिला रे कभी प्यार' कविता में आए प्राकृतिक उपादानों की प्रतीकात्मकता को स्पष्ट कीजिए। 6+6=12

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) भाषा की संरचना में सहायक विविध आयामों का उल्लेख कीजिए।

(ख) भाषा प्रयोग के विविध बिन्दुओं पर विचार कीजिए।

(ग) भाषा की विशेषताओं का निरूपण कीजिए।

(घ) सभ्यता के विकास में भाषा की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

5+5+5=15

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) सामाजिक स्तर भेद के कारण उत्पन्न भाषा की विविधताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'समाज भाषा के बिना अभिव्यक्ति नहीं पा सकता'— स्पष्ट कीजिए। 8

(ख) औपचारिक और अनौपचारिक भाषा का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भाषा और समाज के अंतःसंबंध पर प्रकाश डालिए। 7

P.T.O.

5. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) निम्न शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के विलोम शब्द लिखिए:
उन्नति, अशक्त, विद्वान, निर्मम, प्राकृतिक, दिवस, उच्च

(ख) वाचक और वाच्यार्थ शब्दों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) किन्हीं **पाँच** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए:
संचय, कथा, वृक्ष, विनाश, पर्वत, प्रभात, प्रारंभ

(घ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** के तद्भव रूप लिखिए:
नृत्य, सदृश्य, अमल, पार्थिव, प्रादुर्भाव, तिमिर, वाष्प।

5+5+5=15

is question paper contains 6 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

No. of Question Paper : **305**

ique Paper Code : **205540** **H**

me of the Paper : **Hindi (B) (हिंदी 'ख')**

me of the Course : **B.A. (Prog.)**

mester : **V**

ration : **3 Hours** Maximum Marks : 75

स प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिये गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

8 + 8 = 16

(क) जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ, आओ, आओ !

आज अमीरों की हवेली

किसानों की होगी पाठशाला

धोबी, पासी, चमार, तेली

खोलेंगे अँधेरे का ताला,

एक पाठ पढ़ेंगे टाट बिछाओ।

P.T.O.

(*i*) प्रस्तुत काव्यांश किस कविता से लिया गया है और इसके रचनाकार कौन हैं ?

(*ii*) 'अँधेरे का ताला' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(*iii*) 'टाट बिछाओ' से कवि किस ओर संकेत कर रहा है ?

(*iv*) अज्ञान का ताला कौन खोलेगा ?

(ख) एक ही समय में, एक ही शहर में, साहित्य की नई दिशा देने वाले ये दो महारथी-एक-दूसरे से कितने पृथक थे। एक को, इतिहास के सड़े-गले पन्नों से नए-नए पात्र ढूँढ़ निकालने और उनमें फिर से प्राणप्रतिष्ठा करने की व्याकुलता थी—वेद, पुराण, इतिहास जहाँ से जो कुछ अलौकिक जँचा, उसे लिया और उसे अमरता दे दी। दूसरे को, अपने गाँव, मोहल्ले या शहर में उसकी आँखों के सामने चलने-फिरने वालों के जीवन में ही रस मिलता था और उन्हीं को नाना रूप में सजाकर, सँवारकर लोगों के सामने उपस्थित करने में उसे मजा आता था। यह कहता था, 'गड़े मुर्दे को क्या उखाड़ रहे हो-देखो, इन्हें। क्या तुम्हारी कला के ये हकदार नहीं हैं ?' इस पर वह मुस्करा पड़ता था, किन्तु उसकी

लेखनी कहती थी, जमाना आने दो, फिर दोनों का मूल्य निर्धारित हो जाएगा ! और जमाने ने बता दिया है, दोनों ने साहित्य को ऐसी निधि दी है, जिसका मूल्य आँका नहीं जा सकता ! अपने-अपने क्षेत्र में दोनों अनुपम हैं—दोनों ध्रुव कभी मिलते नहीं किन्तु दोनों में आकर्षण है, अपने-अपने ढंग का।

(*i*) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है और इसके लेखक कौन हैं ?

(*ii*) लेखक ने प्रसाद और प्रेमचंद को साहित्य की नई दिशा देने वाले 'महारथी' क्यों कहा है ?

(*iii*) किस लेखक ने 'वेद पुराण, इतिहास जहाँ से जो अलौकिक जँचा उसे लिया' और साहित्य में स्थान देकर उसे अमर बना दिया ?

(*iv*) 'गड़े मुर्दे को क्या उखाड़ रहे हो' का प्रयोग यहाँ किस आशय से किया गया है ?

(ग) जगदीश बाबू का मुँह क्रोध के कारण तमतमा गया, शब्दों पर अधिकार नहीं रह सका। मदन 'प्रैस्टिज' का अर्थ समझ

सकेगा या नहीं यह भी उन्हें ध्यान नहीं रहा, पर म
बिना समझाये ही सब कुछ समझ गया था। जिसने
कच्ची उम्र में ही दुनिया को समझने की हिम्मत कर
हो, वह क्या एक क्षुद्र शब्द का अर्थ भी नहीं समझ सकेगा
मदन को जगदीश बाबू के व्यवहार से गहरी चोट ल
मैनेजर से सिरदर्द का बहाना कर वह घुटनों में सर दे क
में सिसकियां भर-भर रोता रहा। घर-गाँव से दूर, ऐसी परि
में मदन का जगदीश बाबू के प्रति आत्मीयता-प्रदर्शन स्वाभ
ही था। इसी कारण आज प्रवासी जीवन में पहली बा
लगा जैसे किसी ने उसे ईजा की गोदी से, बाबा की
से और दीदी के आंचल की छाया से बलपूर्वक खींच
हो।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद के पाठ एवं लेखक का नाम लि

(ii) जगदीश बाबू का मुँह क्रोध से क्यों तमतमा उठ

(iii) जगदीश बाबू के व्यवहार से मदन पर क्या
पड़ा ?

(iv) 'मदन बिना समझाए ही सब कुछ समझ गया थ
स्पष्ट कीजिए।

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 3 = 9$

(क) 'संयुक्त परिवार' कविता में कवि ने किस समस्या पर मुख्य रूप से प्रकाश डाला है ? (संयुक्त परिवार)

(ख) गाँधीजी ने यह क्यों कहा कि अंग्रेजों का प्रभुत्व खत्म करके ही राष्ट्रीय आत्मसम्मान की रक्षा की जा सकती है ? (गाँधी जी और भाषा-समस्या)

(ग) लेखक को अन्य कॉफी हाउसों की तुलना में दिल्ली का कॉफ़ी हाउस एक सराय क्यों लगा ? (कॉफी हाउस)

(घ) राहुलजी ने कितनी बार और किन कारणों से तिब्बत की यात्रा की ? (स्वयंभू महापंडित)

(ङ) बदलते परिवेश और पीढ़ियों ने किताब के बारे में किस तरह का दृष्टिकोण बना दिया है ? (किताब और नया हिसाब किताब)

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 6 = 18$

(क) ब्रज भाषा **अथवा** हरियाणवी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ख) खड़ी बोली की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) हिन्दी शब्द की उत्पत्ति बताते हुए उसका अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(घ) हिन्दी भाषा के विकास का सामान्य परिचय दीजिए।

4. किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 3 × 6 = 18

(क) देवनागरी लिपि का नामकरण

(ख) भाषा प्रयोग में लिपि की भूमिका

(ग) नागरी लिपि के मानकीकरण के आधार

(घ) देवनागरी लिपि के गुण और दोष

5. शब्दशक्ति का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए अभिधा शब्दशक्ति का महत्व बताइए। 6

अथवा

शब्दशक्ति कितने प्रकार की होती है ? किसी **एक** के विषय में विस्तार से लिखिए।

6. (क) 'चलते हैं नयनों के सधे बान' का लक्ष्यार्थ लिखिए। 4

(ख) 'अब सिर्फ एलबम में रहते हैं परिवार के सारे लोग एक साथ' व्यंग्यार्थ स्पष्ट कीजिए। 4

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3138 HC

Unique Paper Code : 12051502

Name of the Paper : Hindi Naatak / Ekanki (हिंदी नाटक/एकांकी)

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi CBCS – SEC

Semester : V

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – (9×3=27)

(क) भारत के भुजबल जग रक्षित, भारत विद्या लहि जगत सिच्छित..

भारत तेज जगत बिस्तारा, भारतभय कम्पत संसारा..

जाके तिनिकहिं भौंह हिलाए, थर-थर कंपत नृप डरपाए..

जाके जय की उज्जवल गाथा, गाबत सब महि मंगल साथा..

भारत किरिन जगत ऊँजियारा, भारत जीव जियत संसारा..

भारत वेद कथा इतिहासा, भारत वेद प्रथा प्रकासा..

P.T.O.

अथवा

फूट, डाह, लोभ, भय, उपेक्षा, स्वार्थपरता, पक्षपात, हठ, शोक, अश्रुमार्जन और निर्बलता इन एक दूरजन दूती और दूतों को शत्रुओं की फौज में हिला मिलाकर ऐसा पंचामृत बनाया कि सारे शत्रु बिना मारे घंटा पर के गरुड़ हो गए। फिर अंत में भिन्नता गई। इसने ऐसा सबको काई की फाड़ा कि भाषा, धर्म, चाल, व्यवहार, खाना-पीना सब एक-एक योजन पर अलग-अलग कर दिया।

(ख) आप धर्म के नियामक हैं जिन स्त्रियों को धर्म-बन्धन में बांधकर, उनकी सम्मति के बिना आप उनका सब अधिकार छीन लेते हैं, तब क्या धर्म के पास कोई प्रतिकार - कोई संरक्षण नहीं रख छोड़ते, जिससे वे स्त्रियाँ अपनी आपत्ति में अवलंब माँग सकें ? क्या भविष्य के सहयोग की कोई कल्पना से उन्हें आप संतुष्ट रहने की आज्ञा देकर विश्राम ले लेते हैं ?

अथवा

प्रश्न स्वयं किसी के सामने नहीं आते। मैं तो समझती हूँ, मनुष्य उन्हें जीवन के लिए उपयोगी समझता है। मकड़ी की तरह लटकने के लिए अपने-आप ही जाला बुनता है। जीवन का प्राथमिक प्रसन्न उल्लास मनुष्य के भविष्य में मंगल और सौभाग्य को आमंत्रित करता है। उससे उदासीन न होना चाहिए महाराज।

(ग) आप लोगों ने बकरी को देवी माना। बाढ़ में सारा गाँव बह जाने दिया पर आसरम को नहीं डूबने दिया। गाँव की जमीन खोद-खोदकर आसरम

की जमीन ऊँची करते रहे। सूखा पड़ा, खुद भूखे रहे, घर का अनाज आसरम को दे आए। आसरम में दावतें उड़तीं रहीं, खुद भूखों मरते रहे। फिर उन्हीं लूटेरों को कन्धों पर बिठाकर देश की बागडोर थमा आए। अब भी कुछ समझे आप लोग ?

अथवा

शादी को ही लीजिए। आप मानते हैं कि हरेक आदमी को जाति की जिंदगी में दाखिल होना जरुरी है। जैसा मैं प्राय: कहता हूँ कि दुनिया साझे की दुकान है और हर एक बालिग़ आदमी का कर्त्तव्य है कि उसका उत्तेजित होकर साझेदार हो। अगर इस कोशिश में आप जान नहीं खपा देते, तो आप मनुष्य कहलाने का कोई हक़ नहीं रखते। मैं कहता हूँ, सब पुस्तकें गलत हैं, सब झूठी हैं।

2. 'भारत-दुर्दशा' नाटक में चित्रित समस्याओं का विवेचन कीजिए। (12)

अथवा

'भारत-दुर्दशा' एक प्रतीक नाटक है - उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

3. 'ध्रुवस्वामिनी' का प्रतिपाद्य स्पष्ट करते हुए, इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के आधार पर ध्रुवस्वामिनी की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

4. 'बकरी नाटक स्वार्थी नेताओं द्वारा आम जनता के शोषण की गाथा है' - इस कथन की समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

'बकरी' नाटक सामयिक संदर्भ में एक महत्वपूर्ण कृति सिद्ध होती है - सोदाहरण विवेचन कीजिए।

5. 'दीपदान' एकांकी की तात्विक समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

'स्ट्राईक' एकांकी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2899**

Unique Paper Code : **12053303** **HC**

Name of the Paper : **सोशल मीडिया**

Name of the Course : **CBCS Hindi—SEC for Hons.**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सोशल मीडिया की परिभाषा देते हुए सोशल मीडिया के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

आज के सूचना क्रांति के दौर में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव का विवेचन कीजिए। 12

2. "लोकतंत्र को मज़बूत बनाने में सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका है।" इस कथन के आलोक में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

जनांदोलनों की सफलता में सोशल मीडिया के योगदान को उदाहरण सहित समझाइए। 12

P.T.O.

3. बाज़ार की रणनीति तय करने में सोशल मीडिया किस प्रकार भूमिका निभाता है ? स्पष्ट कीजिये।

अथवा

उपभोक्ता जागरूकता के मिशन में सोशल मीडिया किस सीमा तक सहायक सिद्ध हो सकता है ? 12

4. सांप्रदायिक दंगों **अथवा** आतंकी घटनाओं की स्थिति में सोशल मीडिया की भूमिका निर्धारित कीजिए।

अथवा

युवाओं द्वारा सोशल मीडिया का बढ़ता उपयोग और उसके प्रभाव पर विचार कीजिए। 12

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 9+9+9=27

(*i*) सोशल मीडिया और समाज;

(*ii*) सोशल मीडिया की आचार संहिता;

(*iii*) जनभागीदारी और सोशल मीडिया;

(*iv*) सोशल मीडिया और ब्रांड मेकिंग बाज़ार;

(*v*) सोशल मीडिया का बाल मन पर प्रभाव;

(*vi*) सोशल मीडिया और स्त्री रचनाधर्मिता।

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 2574 **HC**

Unique Paper Code : 72052802

Name of the Paper : हिंदी भाषा और संप्रेषण (MIL Communication)

Name of the Course : **Ability Enhancement Compulsory Course – I**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. संप्रेषण का अर्थ बताते हुए उसके महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संप्रेषण के विभिन्न मॉडल बताइए। (10)

2. वैयक्तिक और सामाजिक संप्रेषण की विवेचना कीजिए।

अथवा

'संप्रेषण बाधाएँ और रणनीति' विषय पर एक सारगर्भित लेख लिखिए। (10)

P.T.O.

3. 'संवाद' की अवधारणा और महत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'संप्रेषण को प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है' इस पर विचार करते हुए प्रभावी संप्रेषण के महत्व को रेखांकित कीजिए। (10)

4. अनुवाद की परिभाषा देते हुए अनुवाद-प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भाषिक क्षमता के अंतर्गत 'गहन अध्ययन' की संकल्पना पर प्रकाश डालिए। (10)

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

(i) व्यावसायिक संप्रेषण **अथवा** मौखिक संप्रेषण;

(ii) भ्रामक संप्रेषण **अथवा** लिखित संप्रेषण;

(iii) संप्रेषण की प्रक्रिया **अथवा** संप्रेषण की चुनौतियाँ। (6,6,6)

6. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :

(i) सामूहिक चर्चा **अथवा** एकालाप;

(ii) विश्लेषण **अथवा** व्याख्या;

(iii) अध्याहार **अथवा** अन्वय; (6,6,5)

(5)

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

Sr. No. of Question Paper : **3014**

Unique Paper Code : **12055302** **HC**

Name of the Paper : **Bhasha Aur Samaj**

Name of the Course : **GE for Hons : Hindi—CBCS**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भाषा के समाजशास्त्र की संकल्पना को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 15

2. भाषा और समुदाय एक-दूसरे को कैसे प्रभावित करते हैं ? सोदाहरण लिखिए।

अथवा

द्विभाषिकता और बहुभाषिकता के अंतर को स्पष्ट कीजिए। 15

3. संस्कृति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए भाषा और संस्कृति के अन्योन्याश्रित संबंध पर विचार कीजिए।

P.T.O.

अथवा

व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग का विवेचन कीजिए। 15

4. भाषा नमूनों का परिचय देते हुए उनका विश्लेषण कीजिए।

अथवा

भाषा के नवीन प्रयोग की सोदाहरण विवेचना कीजिए। 15

5. निम्न में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 15

(*i*) समाज भाषाविज्ञान

(*ii*) भाषा और जातीयता

(*iii*) भाषाई अस्मिता और जेण्डर

(*iv*) भाषा सर्वेक्षण का स्वरूप।

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2751**

Unique Paper Code : **12055101** **HC**

Name of the Paper : **Lokpriya Sahitya**

Name of the Course : **CBCS : Hindi—Generic Elective for Hons.**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. जनप्रिय साहित्य से आप क्या समझते हैं ? उसके विविध रूपों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

अथवा

लोकप्रिय साहित्य की अवधारणा स्पष्ट करते हुए जनप्रिय साहित्य से उसका अन्तर बताइए। 14

2. 'तिलिस्म' शब्द को परिभाषित करते हुए देवकीनंदन खत्री के किसी **एक** उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

अथवा

जासूसी उपन्यासों की परम्परा में गोपालराम गहमरी का स्थान निर्धारित कीजिए। 14

P.T.O.

3. गुलशन नंदा के उपन्यासों की लोकप्रियता के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

सुरेन्द्र मोहन पाठक के उपन्यासों की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 14

4. लोकप्रिय गीतों के विविध रूपों पर प्रकाश डालते हुए किसी एक गीतकार का परिचय दीजिए।

अथवा

हास्य और व्यंग्य में अन्तर स्पष्ट करते हुए काका हाथरसी की कविताओं का मूल्यांकन कीजिए। 14

5. किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 6,6,7

(*i*) वेदप्रकाश शर्मा

(*ii*) जासूसी उपन्यासों की भाषा

(*iii*) इब्ने शफी बी.ए.

(*iv*) भावात्मक उपन्यास

(*v*) कवि सम्मेलनीय कविता।

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 2752

Unique Paper Code : 12055103 HC

Name of the Paper : Hindi Cinema Aur Uska Adhyayan

Name of the Course : CBCS : Hindi—Generic Elective for Hons.

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. कला विधा के रूप में सिनेमा की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

साहित्य और सिनेमा की पारस्परिकता का विवेचन कीजिए। 14

2. हिंदी सिनेमा के उद्भव और विकास का परिचय दीजिए।

अथवा

इक्कीसवीं सदी के सिनेमा की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 14

3. सिनेमा में कैमरे के उपयोग को रेखांकित कीजिए।

अथवा

'कैमरे द्वारा साधारण दृश्यों को भी असाधारण बनाया जा सकता है'—इस कथन की समीक्षा कीजिए। 14

P.T.O.

4. 'मदर इंडिया' **अथवा** 'दीवार' फिल्म की समीक्षा कीजिए। 14

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) कला-सिनेमा;

(ख) हिंदी सिनेमा और गीत-संगीत;

(ग) फिल्म-निर्माण और कैमरा;

(घ) 'मुगले आज़म' की संवाद-योजना;

(ङ) नयी तकनीक और सिनेमा। 6,6,7

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No...............

Sr. No. of Question Paper : 3217 **HC**

Unique Paper Code : 12057503

Name of the Paper : Asmitamulak Vimarsh Aur Hindi Sahitya

अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य

Name of the Course : **BA (H) Hindi CBCS – DSE I**

Semester : V

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

'स्त्री-विमर्श' की अवधारणा के निर्माण में स्त्री-चिंतकों के विचारों की विवेचना कीजिए।

अथवा

आदिवासी विमर्श के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डालिए। (15)

2. किन्हीं **तीन** अंशों की व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

(क) औरत से हर शक्ल में सुख हासिल करना चाहते हैं, मगर बदले में देने वाला दिल नहीं रखते। पढ़ी-लिखी लड़कियों से डरते हैं। मैं तो कहता हूँ, कानून और औरतों की मदद इन दोगले मौलवियों और कानूनदाँ के जरिए नहीं होगी। औरत को खुद हदीस और कानून समझकर अपनी लडाई लड़नी पड़ेगी .... मेरे ऐसे खयालात हैं। इसलिए सरकार हो या आम आदमी, मुझसे कतराता है .... किसी सलाह-मशवरे के वक्त जाहिलों की फौज हर समाचार-पत्र में तस्वीर के संग छपी नजर आती है। नॉन इशू बनाकर लोग लुत्फ लेते हैं।

अथवा

तुम सब आदिवासी भाई-बहन मेरी बात का भेद समझो और गौर करो कि ये लाल माटी से बने इंसान ही फिरंगी हैं जिनके पास इस कलजुग में इन्दरजाल की विद्या है और इसी विद्या की बदौलत इन्होंने कुल जहान के राजा-महाराजा, महाजनान और बामणों को अपने कब्जे में कर रखा है और अब तुम सब को अपने जाल में फंसाना चाहते हैं सो तुम सब होशियार रहो और इनके चुंगल में मत आओ, नहीं तो तुम गारत में चले जाओगे। ये सब तो बिना मेहनत करने वाले सौदागरान हैं और तुम सब की मेहनत की कमाई को जादू से अपने कब्जे में कर लेवेंगे।

(ख) सोचकर बहुत मैंने कहा उससे
'मैं किसी की औरत नहीं हूँ
मैं अपनी औरत हूँ
अपना खाती हूँ

जब जी चाहता है तब खाती हूँ
मैं किसी की मार नहीं सहती
और मेरा परमेश्वर कोई नहीं।
उसकी आँखों में भर आई एक असहज खामोशी
आह! कैसे कटेगा इस औरत का जीवन।
संशय में पड़ गयी वह

अथवा

नाम मुसहरवा है, कवनउ सहरवा ना,
कैसे बीते जिनगी हमार।
जेठ दुपहरिया में सोढ़िया चिराई करीं,
बहै पसिनवाँ के धार।
बँहगी में बाँधि लेइ चलली लकड़िया,
आधे दाम माँगे दुतकार।
रहइ के जगह नाहीं, जोतइ के जमीन कहाँ,
कहैं देबे गाँव से निसार।
घरवा के नमवाँ पै एकही मडैया में,
ससुई पतोहु परिवार।

(ग) मेरे साथ मेरा अकेलापन हमेशा रहा है, पर यह अकेलापन मुझे जीवन का अर्थ भी समझाता रहा है। मैंने अपने-आपको बचाया है, अपने मूल्यों को जीवन में सँजोया। हाँ, टूटी हूँ, बार-बार टूटी हूँ... पर कहीं तो चोट के निशान नहीं... दुनिया के पैरों टेल रौंदी गयी, पर मैं मिटटी के

लोदे में परिवर्तित नहीं हो पाई। इस उम्र में भी एक पूरी-की-पूरी साबुत औरत हूँ, जो जिन्दगी को झेल नहीं रही बल्कि हँसते हुए जी रही है, जिसे अपनी उपलब्धियों पर नाज है।

अथवा

समाज में पूर्ण स्वतन्त्र तो कोई हो ही नहीं सकता; क्योंकि सापेक्षता ही सामाजिक सम्बन्ध का मूल है। प्रत्येक व्यक्ति उसी मात्रा में दूसरे पर निर्भर है, जिस मात्रा में दूसरा उसकी अपेक्षा रखता है। पुरुष-स्त्री भी इसी अर्थ में अपने विकास के लिए एक-दूसरे के सहयोग की अपेक्षा रखते हैं, इसमें सन्देह नहीं। कठिनाई तब उत्पन्न होती है जब यह सापेक्ष भाव एक की ओर अधिक घट या बढ़ जाता है। स्त्री और पुरुष यदि अपने सुखों के लिए एक-दूसरे पर समान रूप से निर्भर रहते तो उनके सम्बन्ध में विषमता आने की सम्भावना ही न रहती, परन्तु वास्तविकता यह है कि भारतीय स्त्री की सापेक्षता सीमातीत हो गयी।

3. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : (10×3=30)

(क) आदिवासी विमर्श में जंगल का सवाल;

(ख) 'सलाम' कहानी में अभिव्यक्त जातिगत भेदभाव;

(ग) 'दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे' कविता का मूल भाव;

(घ) 'सात भाईयों के बीच चम्पा' में अभिव्यक्त स्त्री-जीवन के प्रश्न;

(ङ) 'मुर्दहिया' में व्यक्त लोक-जीवन;

(च) रैडिकल नारीवाद।

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3218 **HC**

Unique Paper Code : 12057504

Name of the Paper : भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धान्त – (HDSE-Elective)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi / CBCS / SEC / DSE I**

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारतीय और पाश्चात्य दृष्टि से नाटक के प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

नाटक और रंगमंच के अंत:संबंध पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

2. रंगकर्म में नाटककार और निर्देशक की भूमिका स्पष्ट कीजिए। (15)

P.T.O.

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में भरत मुनि के रस सिद्धांत का उदाहरण सहित विवेचन कीजिए।

3. त्रासदी की परिभाषा देते हुए उसके विभिन्न तत्वों का परिचय दीजिए। (15)

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

4. रूपक का परिचय देते हुए इसके प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

रेडियो नाटक 'अन्तर्द्वन्द्व को उभारने में अधिक सक्षम हैं' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (8+7=15)

(क) नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

(ख) पार्श्व-कर्म

(ग) निर्देशक

(घ) मेलोड्रामा

(ङ) नुक्कड़ नाटक

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3397 **HC**

Unique Paper Code : 12057502

Name of the Paper : हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Name of the Course : **B.A. (H) HINDI – CBCS – DSE – II**

Semester : V

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

भाषा की परिभाषा और उसकी प्रमुख विशेषताएँ लिखिए। (12)

अथवा

व्याकरण की परिभाषा देते हुए भाषा के विकास में व्याकरण का महत्व समझाइए।

शब्द की परिभाषा देते हुए रचना के आधार पर शब्द के भेद लिखिए।

(12)

P.T.O.

अथवा

सर्वनाम की परिभाषा और उसके प्रमुख भेद उदाहरण सहित लिखिए।

3. विकारी-अविकारी शब्दों में अंतर करते हुए अविकारी शब्दों के भेद लिखिए। (12)

अथवा

क्रिया की परिभाषा बताते हुए क्रिया के भेद लिखिए।

4. वाक्य की परिभाषा देते हुए वाक्य के प्रमुख अंगों पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

रचना के आधार पर वाक्य के भेद उदाहरण सहित लिखिए।

5. किन्हीं **चार** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :

(क) नीती, लिक्खा, विस्मर्ण, सन्मान, साशन, विकाश, श्रृंगार, विभिषका (2)

(ख) 'आनी', 'कार' प्रत्यय से बनने वाले **दो-दो** शब्द लिखिए। (2)

(ग) किन्हीं **चार** शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए।

अभ्यागत, इत्यादि, देवेन्द्र, दुर्जन, नारीश्वर, निष्पाप, एकैक, ईश्वरेच्छा (2)

(घ) किन्हीं **चार** का रूप परिवर्तन करके भाव वाचक संज्ञा बनाइए।

प्रेमसिक्त, पुरुषोत्तम, नेत्रहीन, अन्नदान, रसोईघर, नवयुवक, विधानसभा, राजभवन (2)

(ङ) किन्हीं **चार** का रूप परिवर्तन करके भाव वाचक संज्ञा बनाइए।

उतरना, वीर, ऊँचा, बच्चा, हरा, लजाना, पढ़ना, निज (2)

(च) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : (2)

(i) उसे एक चाय का कप दे दो।

(ii) अनेकों तीर्थयात्री गंगा स्नान के लिए गए।

(iii) ताजमहल का सौंदर्यता दर्शनीय है।

(iv) राम, लक्ष्मण और सीता वन जाती हैं।

टिप्पणी लिखिए - (8,7)

(क) स्वर-व्यंजन में अंतर

अथवा

हिन्दी की मात्राएँ

(ख) उपसर्ग और प्रत्यय में अंतर

अथवा

वाक्य शब्द और पद में अंतर

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 3400 **HC**

Unique Paper Code : 12057505

Name of the Paper : **भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा**

Name of the Course : **B.A. Hons. Hindi – CBCS – DSE II**

Semester : **V**

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

भाषा और साहित्य के अन्त: संबधं पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

भारत की भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का उल्लेख करते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

प्राचीन तमिल साहित्य की विशिष्टताओं का उल्लेख कीजिए। (12)

अथवा

P.T.O.

प्राकृत साहित्य के योगदान पर चर्चा कीजिए।

3. आधुनिकता पूर्व हिंदी साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए। (12)

अथवा

मराठी साहित्य पर एक लेख लिखिए।

4. भारतीय साहित्य के संदर्भ में भक्ति आंदोलन की भूमिका स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य की समीक्षा कीजिए।

(9×3=27)

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) भारत की भौगोलिक विविधता

(ख) वैदिक साहित्य

(ग) तेलुगू साहित्य

(घ) कश्मीरी साहित्य

(ङ) नवजागरण

(च) भारतीय साहित्य के उत्तर-आधुनिक संदर्भ

(छ) भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ

KALINDI COLLEGE ★ LIBRARY ★ East Patel Nagar, New Delhi-08